

प्रेषक,

जी0एस0 पाण्डे,
अपर सचिव
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
रेशम विकास विभाग
प्रेमनगर, देहरादून।

उद्यान एवं रेशम अनुभाग:-2

देहरादून: दिनांक 26 मई, 2009

विषय:-वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-29 के आयोजनागत पक्ष की योजनाओं में लेखानुदान के माध्यम से प्राविधानित धनराशि की राज्य सैक्टर की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक-129/रेशम/तक0अनु0/बजट/2009-10 दिनांक 15 अप्रैल, 2009 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है, कि चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्ययक में विभागीय अनुदान संख्या-29 के आयोजनागत पक्ष की राज्य सैक्टर की योजनाओं में लेखानुदान के माध्यम से कुल प्राविधानित रू0-6006.00 हजार के सापेक्ष रू0 4670.00 हजार (रू0 छियालीस लाख सत्तर हजार मात्र) की धनराशि संलग्न विवरणानुसार व्यय हेतु आपके निर्वर्तन में रखे जाने की श्री राज्यपाल निम्नांकित शर्तानुसार सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1- इस धनराशि का व्यय केवल चालू कार्यों के लिये ही किया जायेगा एवं धनराशि का आहरण एवं व्यय वास्तविक आवश्यकतानुसार किशतों के किया जायेगा।
- 2- उक्त व्यय करते समय वित्त अनुभाग-1, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-205/XXVII(1)/2009, दिनांक-25 मार्च, 2009 (छायाप्रति संलग्न) में दिये गये दिशा-निर्देशों तथा शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों/निर्देशों एवं बजट मैनुअल के सुसंगत नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।
- 3- किसी भी शासकीय व्यय हेतु प्रोक्योरमेन्ट रूल्स 2008 वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 (लेखा नियम) आय व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा, तथा कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का क्रय सूचना प्रौद्योगिकी (I.T.) विभाग के शासनादेशों/दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा।
- 4- निर्माण कार्य पर व्यय करने से पूर्व प्रत्येक के आगणन/पुनरीक्षित आगणनों पर प्रशासनिक तथा वित्तीय अनुमोदन के साथ-साथ आगणनों पर सक्षम अधिकारी की तकनीकी स्वीकृति भी प्राप्त कर ली जाय।
- 5- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थाई आदेशों के अन्तर्गत शासकीय तथा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो तो उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
- 6- व्यय केवल उन्हीं मदों में किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति निर्गत की जा रही है, साथ ही किसी भी प्रकार के मद परिवर्तन का अधिकार विभाग के पास नहीं रहेगा।

...2/-

Budget 2009-10

7- व्यय की सूचना प्रपत्र बी0एम0-13 पर प्रत्येक माह की 20 तारीख तक वित्त विभाग को अवश्य उपलब्ध कराई जाय तथा धनराशि का आहरण/व्यय एकमुश्त न करके आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा।

8- योजनावार स्वीकृत धनराशि का व्यय सम्बन्धित योजना के संगत दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही किया जायेगा। किसी भी दशा में संगत दिशा-निर्देशों से इतर कार्यवाही नहीं की जायेगी।

9- लघु निर्माण कार्य व अन्य निर्माण कार्यों हेतु लोक निर्माण विभाग की वर्तमान प्रचलित दरों पर ही आगणन गठित करके कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।

10- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के लेखानुदान के अनुदान संख्या-29 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2401-फसल कृषि कर्म- आयोजनागत - 119-बागवानी एवं सब्जियों की फसलें-07-शहतूत की खेती एवं रेशम विकास के अन्तर्गत संलग्न विवरण में अंकित योजनाओं एवं उनकी सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।

11- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-69(P)/XXVII-4/2009, दिनांक-25मई, 2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,

(जी0एस0 पाण्डे)

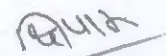
अपर सचिव।

संख्या-¹⁵⁶/XVI-2/08/7(19)/09, तददिनांक:

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग माजरा, देहरादून।
2. वित्त अनुभाग-4/नियोजन अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
3. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
4. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय/राज्य योजना आयोग, उत्तराखण्ड।
5. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर देहरादून।
6. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमायूँ मण्डल, नैनीताल।
7. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
8. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,



(के0पी0 पाटनी)

अनु सचिव।

शासनादेश संख्या-156/XVI-2/09/7(19)/2009 दिनांक: 26 अप्रैल, 2009 का संलग्नक
रेशम विकास विभाग की वर्ष 2009-10 के अनुदान संख्या-29 के आयोजनागत पक्ष की राज्य
सैक्टर की योजनाओं हेतु लेखानुदान के माध्यम से प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष अवमुक्त की
जाने वाली धनराशि का मदवार विवरण।

(धनराशि हजार रुपये में)

क्र० सं०	अनुदान सं०-29-लेखाशीर्षक 2401-फसल कृषि कर्म-आयोजनागत 119-बागवानी और सब्जियों की फसलें 07-शहतूत की खेती एवं रेशम विकास	लेखानुदान के अन्तर्गत प्राविधानित धनराशि	अवमुक्त की जाने वाली धनराशि
1	0703-सहकारी समितियों को रेशम विकास हेतु कार्यशील पूंजी		
	20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	333	333
	योग 0703-	333	333
2	0705-केन्द्र पोषित कैटेलेटिक योजनाएँ		
	20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	733	733
	योग 0705-	733	733
3	0707-चौकी भवनों का निर्माण एवं रिनोवेशन		
	09-विद्युत देय	33	33
	25-लघु निर्माण	500	500
	29-अनुरक्षण	1800	1800
	योग :-0707-	2333	2333
4	0708-जैविक रेशम विकास		
	02-मजदूरी	117	117
	20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	17	17
	26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र	17	17
	31-सामग्री और सम्पूर्ति	183	183
	योग :0708-	334	334
5	0709-वृक्षारोपण विकास योजना		
	02-मजदूरी	83	83
	20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	33	33
	31-सामग्री और सम्पूर्ति	167	167
	योग :0709-	283	283
6	0710-रेशम वस्त्र विकास		
	20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	333	333
	योग 0710-	333	333

--2/-

7	0711-रेशम प्रशिक्षण योजना		
	08-कार्यालय व्यय	13	13
	09-विद्युत देय	10	10
	12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	10	10
	21-छात्रवृत्तियां एवं छात्र वेतन	7	7
	26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र	17	17
	31-सामग्री और सम्पूर्ति	17	17
	42-अन्य व्यय	33	33
	44-प्रशिक्षण व्यय	47	47
	योग :0711-	154	154
8	0712-उत्तराखण्ड सहकारी रेशम फेडरेशन का सुदढीकरण		
	12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	1	0
	20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	167	167
	24-वृहद निर्माण	1333	0
	26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र	1	0
	42-अन्य व्यय	1	0
	योग :0712	1503	167
	महायोग :-	6006	4670

(रु० छियालीस लाख सत्तर हजार मात्र)

(जी०एस० पाण्डे)

अपर सचिव।